

रयत शिक्षण संस्थेचे ,

डॉ.पतंगराव कदम महाविद्यालय ,रामानंदनगर (बुर्ली)

ता.पलुस. जि.सांगली

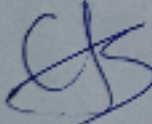
इतिहास विभाग

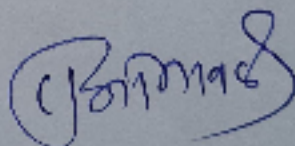
पुरातत्वशास्त्र २०२१ - २०२२

नोटीस

दिनांक : ०४/१२/२०२१

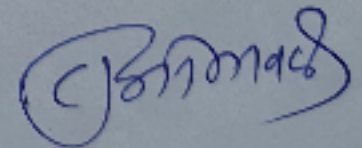
महाविद्यालयातील सिनिअर विभागातील इतिहास विषयाच्या सर्व विद्यार्थ्यांना कळविण्यात येते कि आपल्या महाविद्यालयातील इतिहास विभागामार्फत पुरातत्वशास्त्र हा वॅल्यू अॅडेड कोर्स सुरु करण्यात आला आहे, तरी इच्छुक विद्यार्थ्यांनी आपली नावे डॉ. सोनावले आर.आर. यांच्याकडे दयावीत.


समन्वयक


विभागाध्यक्ष
Department of History
Dr. Patangrao Kadam Mahavidyalaya,
Ramanandnagar (Burlif)

रयत शिक्षण संस्थेचे ,
डॉ.पतंगराव कदम महाविद्यालय ,रामानंदनगर (बुर्ली)
ता.पलुस. जि.सांगली
इतिहास विभाग
पुरातत्वशास्त्र २०२१ - २०२२
प्रवेशित विद्यार्थ्यांची नावे

| अन. | वर्ग | विद्यार्थ्यांची नावे |
|-----|--------|-------------------------|
| १ | बी.ए.३ | पाटील अवंतिका आदिक |
| २ | बी.ए.३ | एसुगडे सौरभ राजाराम |
| ३ | बी.ए.३ | तपकिरे नितीन जनार्धन |
| ४ | बी.ए.३ | जाधव सिद्धार्थ शिवाजी |
| ५ | बी.ए.३ | पवार प्रिथ्वीराज महादेव |
| ६ | बी.ए.३ | नलवडे सोमनाथ शंकर |
| ७ | बी.ए.३ | माने स्वप्नील शरद |
| ८ | बी.ए.३ | सूर्यवंशी अनिकेत संजय |
| ९ | बी.ए.३ | चव्हाण रोहन रघुनाथ |
| १० | बी.ए.३ | सांदागर नागेश कांता |
| ११ | बी.ए.३ | कदम रविराज राजाराम |
| १२ | बी.ए.३ | विभुते लक्ष्मन शहानुर |



Head,
Department of History
Dr. Patangrao Kadam Mahavidyalaya,
Ramanandnagar (Burl)

रयत शिक्षण संस्थेचे ,

डॉ.पतंगराव कदम महाविद्यालय ,रामानंदनगर (बुर्ली)

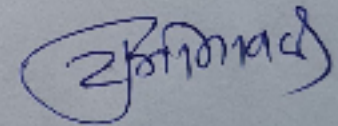
ता.पलुस. जि.सांगली

इतिहास विभाग

पुरातत्वशास्त्र २०२१ - २०२२

वेळापत्रक

| अ. न. | वेळ | सोमवार | मंगळवार | बुधवार | गुरुवार | शुक्रवार | शनिवार |
|-------|---------------------|-----------------------|-----------------------|-----------------------|-----------------------|-----------------------|-----------------------|
| १ | १२.०० ते १.०० | डॉ.सोनावले आर. आर. | डॉ.पवार व्ही .पी . | डॉ.सोनावले आर. आर. | डॉ.पवार व्ही .पी . | डॉ.सोनावले आर. आर. | डॉ.पवार व्ही .पी . |



प्रमुख
Head,

Department of History

Dr. Patangrao Kadam Mahavidyalaya,
Ramanandnagar (Burla)

रयत शिक्षण संस्थेचे ,

डॉ.पतंगराव कदम महाविद्यालय ,रामानंदनगर (बुर्ली)

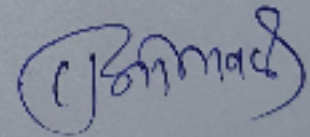
ता.पलुस. जि.सांगली

इतिहास विभाग

पुरातत्वशास्त्र २०२१ - २०२२

Programme Outcomes

- १) विद्यार्थ्यांना इतिहासाचे पुरातत्वशास्त्र या साहाय्यकारी शाखाची इतिहासलेखनास कश्या पद्धतीने मदत होते याचेही ज्ञान मिळाले.
- २) विद्यार्थ्यांना प्रत्यक्षपणे त्याची माहिती देण्यासाठी कोल्हापूर ,पन्हाळा अशी एक दिवासीय शैक्षणिक सहल आयोजित करण्यात आली होती.
- ३) विद्यार्थ्यांना पुरातत्वाचा अर्थ, व्याख्या, स्वरूप समजून देण्यासाठी त्याचबरोबर एतिहासिक उत्खनन कसे होते? त्याच्या विविध पद्धती कोणत्या? या सर्व घटकाची प्रारंभिक माहिती देण्यासाठी पुरातत्वशास्त्र हा कोर्स सुरु करण्यात आला.
- ४) विद्यार्थ्यांनी पुरातत्वशास्त्र याची माहिती समाजाला पटवून दिली.
- ५) पुरातत्वशास्त्र हे महत्वाचे आहे याची जाणीव समाजाला झाली.



प्रमुख,

Department of History

इतिहास विभाग
Dr. Patangrao Kadam Mahavidyalaya,
Ramanandnagar (Burla)

रयत शिक्षण संस्थेचे
 डॉ.पतंगराव कदम महाविद्यालय ,रामानंदनगर(बुर्डी)
 इतिहास विभाग २०२१ - २०२२

पुरातत्त्वशास्त्र (कोर्स)

हजेरी पत्रक

कालावधी - ६ डिसेंबर २०२१ ते ९ जानेवारी २०२२

| अ.न. | वर्ग | विद्यार्थ्यांची नावे | डिसेंबर | | | | | | | | | | | जानेवारी | | | | | | | | | | | एकूण | | | |
|------|---------|-------------------------|---------|---|---|---|----|----|----|----|----|----|----|----------|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|------|----|----|----|
| | | | ६ | ७ | ८ | ९ | १० | ११ | १२ | १३ | १४ | १५ | १६ | १७ | १८ | १९ | २० | २१ | २२ | २३ | २४ | २५ | २६ | २७ | | २८ | २९ | ३० |
| १ | बीए...३ | पार्वीत अवैतिका आविष्क | P | P | P | P | A | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P |
| २ | बीए...३ | इन्दुनाथ सारंग रामाराव | P | P | P | P | A | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P |
| ३ | बीए...३ | तपकिंदे विनीता जगदीश | P | P | P | A | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P |
| ४ | बीए...३ | जयशंकर शिंद्यायी विवाजी | A | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P |
| ५ | बीए...३ | पद्मा पिपरीचान महेश्वर | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P |
| ६ | बीए...३ | मलवती सोमनाथ शंकर | P | A | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P |
| ७ | बीए...३ | मंजो म्हापतीकर वारद | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P |
| ८ | बीए...३ | सुवेची अभिनेता राजेश | P | P | P | A | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P |
| ९ | बीए...३ | बबद्याम राजन रघुनाथ | A | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P |
| १० | बीए...३ | वीदवार नावीन कांता | P | P | P | P | A | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P |
| ११ | बीए...३ | कदम रविशंकर राजाराम | P | A | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P |
| १२ | बीए...३ | विठ्ठल मदनराव महामूर | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P |

प्रमुख
 (इतिहास विभाग)
 Dr. Patangrao Kadam Mahavidyalaya,
 Ramanaandnagar (Burdga)

Head,
 Department of History
 Dr. Patangrao Kadam Mahavidyalaya,
 Ramanaandnagar (Burdga)

रयत शिक्षण संस्थेचे
डॉ.पतंगराव कदम महाविद्यालय रामानंदनगर (बुर्ली)
इतिहास विभाग २०२१-२२
पुरातत्वशास्त्र (Add on Course)

दि. ११/०१/२०२२

गुण - ५०

वेळ - २ तास

प्रश्न १. रिकाम्या जागा लिहा

गुण २०

१. आर्किऑलॉजी हा शब्द मूळ या भाषेतून आला आहे.
 अ. लॅटिन ब. इंग्लिश क. पाली ड. अर्धमागधी
२. भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभागाची स्थापना साली झाली.
 अ. १८६१ ब. १८६२ क. १८६३ ड. १८६४
३. १९५० ते १९५३ या कालावधीत भारतीय पुरातत्व विभागाचे महासंचालक हे होते.
 अ. माधवस्वरूप वत्स ब. व्हीलर क. सर जॉन मार्शल ड. वी.वी.लाल
४. माधवस्वरूप वत्स यांनी भाषेचा सखोल अभ्यास केला.
 अ. ब्राम्ही ब. खारोष्टी क. पाली ड. अर्धमागधी
५. सानी मार्टिमोर व्हीलर यांची पुरातत्व खात्याचे प्रमुख म्हणून निवड झाली.
 अ. १९४४ ब. १९४५ क. १९४६ ड. १९४७
६. हे पुरातत्वविद्येचे महत्त्वाचे अंग आहे.
 अ. उत्खनन ब. स्थळ शोधणे क. माहिती घेणे ड. यापैकी नाही
७. भारतीय सर्वेक्षण खात्याने (सर्व्हे ऑफ इंडियाने)या प्रमाणाचे संपूर्ण भारताचे नकाशे प्रसिद्ध केले आहेत
 अ. १ इंचास १ मैल ब. १ इंचास २ मैल क. १ इंचास ३ मैल ड. १ इंचास ४ मैल
८. हडप्पा संस्कृती प्रथम साली उजेडात आली .
 अ. १९२१ ब. १९२२ क. १९२३ ड. १९२४
९. राखालदास बॅनर्जी यांनी १९२२ साली येथे उत्खनन सुरु केले.
 अ. मोहंजोदडो ब. हडप्पा क. कालीबंगन ड. लोथल
१०. हडप्पा संस्कृती तील मुद्रा आकाराच्या होत्या.
 अ. चौकोनी ब. त्रिकोणी क. पंचकोनी ड. षटकोनी

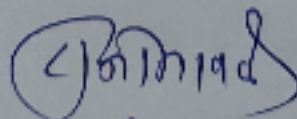
प्रश्न २. स्वतंत्र भारतातील पुरातत्व संस्था व व्यक्ती यांचे योगदान सांगा

गुण १०

प्रश्न ३. टिपा लिहा (फक्त ४)

गुण २०

१. नकाशा व उपग्रह प्रतिमा अभ्यास
२. पुरातत्वशास्त्रची व्याप्ती
३. छायाचित्रण
४. माधवस्वरूप वत्स
५. राखालदास बॅनर्जी
६. हडप्पा येथील उत्खनन



Head,
Department of History
Dr. Patangrao Kadam Mahavidyalaya,
Ramanandnagar (Burl)

~~**Head,**
Department of History
Dr. Patangrao Kadam Mahavidyalaya,
Ramanandnagar (Burl)~~

रयत शिक्षण संस्थेचे ,
डॉ.पतंगराव कदम महाविद्यालय ,रामानंदनगर (बुर्ली)

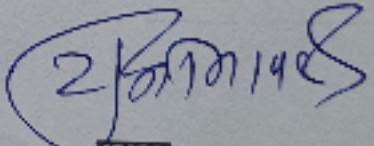
ता.पलुस. जि.सांगली

इतिहास विभाग

पुरातत्वशास्त्र २०२१ - २०२२

निकाल पत्रक

| अन. | रोल नं | वर्ग | विद्यार्थ्यांची नावे | गुण |
|-----|--------|--------|-------------------------|-----|
| १ | १४६२ | बी.ए.३ | चव्हाण रोहन रघुनाथ | १८ |
| २ | १४६३ | बी.ए.३ | जाधव सिद्धार्थ शिवाजी | २० |
| ३ | १४६४ | बी.ए.३ | कदम रविराज राजाराम | १८ |
| ४ | १४६५ | बी.ए.३ | माने स्वप्नील शरद | २० |
| ५ | १४६६ | बी.ए.३ | नलवडे सोमनाथ शंकर | १८ |
| ६ | १४६७ | बी.ए.३ | पाटील अवंतिका आदिक | २० |
| ७ | १४६८ | बी.ए.३ | पवार प्रिथ्वीराज महादेव | १८ |
| ८ | १४६९ | बी.ए.३ | सौदागर नागेश कांता | १८ |
| ९ | १४७० | बी.ए.३ | सूर्यवंशी अनिकेत संजय | २० |
| १० | १४७१ | बी.ए.३ | तपकिरे नितीन जनार्दन | २० |
| ११ | १४७२ | बी.ए.३ | विभुते लक्ष्मण शहानुर | १८ |
| १२ | १४७३ | बी.ए.३ | एसुगडे सौरभ राजाराम | २० |



प्रमुख,
Head,

Department of History

Dr. Patangrao Kadam Mahavidyalaya,
Ramanandnagar (Burla)



Education Through Self-Help is our Motto." – Karmaveer

Rayat Shiksha Sanstha's

Dr. Patangrao Kadam Mahavidyalaya, Ramanandnagar (Burl)

Tal: Pulus, Dist: Sangli, Pin: 416 308

Department of History

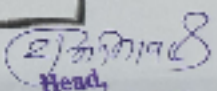
CERTIFICATE

This is to certify that Shri. / Smt. ----- of B.A. III/M.A. II History
has successfully completed the Value added Course entitled "Archeology" in the academic year 2018-2019.

Coordinator

Head of the Department

Principal


Head,
Department of History
Dr. Patangrao Kadam Mahavidyalaya,
Ramanandnagar (Burl)

स्थापना - १९६८



संस्थापक: पद्मभूषण

डॉ. कर्मवीर भाऊराव पाटील,
डी.लिट.

स्वावलंबी शिक्षण हेच आमचे ग्रीड - कर्मवीर
रयत शिक्षण संस्थेचे

डॉ.पतंगराव कदम महाविद्यालय, रामानंदनगर(बुर्ली)

ता.पलूस, जि. सांगली ४१६३०८
(महाराष्ट्र)

प्राचार्य, डॉ. एल. डी. कदम
M.Sc.,Ph.D.

एस.टी.डी कोड- ०२२४६

कार्यालय - २२२०३५

नियंत्र - २२२००२

फॅक्स - २२२०३५

नेक मानांकन : 'ए'

E-mail : ascc_magar@ymail.com.



पुरातत्वशास्त्र अहवाल - २०२१ - २०२२

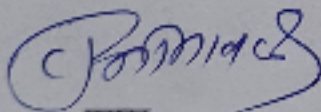
शैक्षणिक वर्ष २०२१ - २०२२ मध्ये सिनिअर विभागातील इतिहास विभागामध्ये व्हॅल्यू अडेड कोर्स अंतर्गत पुरातत्वशास्त्र हा कोर्स ०६-१२-२०२१ ते ०९-०१-२०२२ या कालावधीत सुरु करण्यात आला होता. विद्यार्थ्यांना पुरातत्वाचा अर्थ, व्याख्या, स्वरूप समजून देण्यासाठी त्याचबरोबर एतिहासिक उत्खनन कसे होते? त्याच्या विविध पद्धती कोणत्या? या सर्व घटकाची प्रारंभिक माहिती देण्यासाठी पुरातत्वशास्त्र हा कोर्स सुरु करण्यात आला आहे.

या कोर्समध्ये चालू वर्षी १२ विद्यार्थ्यांनी प्रवेश घेतला होता. या कोर्समुळे विद्यार्थ्यांना इतिहासाचे पुरातत्वशास्त्र या साहाय्यकारी शाखाची इतिहासलेखनास कशा पद्धतीने मदत होते याचेही ज्ञान मिळाले. या कोर्ससाठी इतिहास विभाग प्रमुख डॉ.सोनावले आर.आर.व प्राचार्य, डॉ. एल. डी. कदम यांचे मार्गदर्शन व इतिहास विभागातील सहकाऱ्यांचे सहकार्य लाभले.

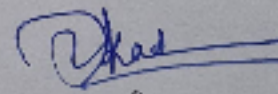
निष्पत्ती- पुरातत्वशास्त्र कोर्सचे महत्व समजले .

एतिहासिक उत्खननाचे महत्व समजले.

लाभार्थी - १२ विध्यार्थी सहभागी झाले होते .


प्रमुख

इतिहास विभाग


प्राचार्य

डॉ.पतंगराव कदम महाविद्यालय, रामानंदनगर(बुर्ली)

रयत शिक्षण संस्थेचे ,
डॉ.पतंगराव कदम महाविद्यालय ,रामानंदनगर (बुर्ली)

ता.पलुस. जि.सांगली

इतिहास विभाग

पुरातत्वशास्त्र २०२१ - २०२२

अभ्यासक्रम

प्रकरण १ : पुरातत्वशास्त्र: तोंडओळख

1. पुरातत्व: व्याख्या, व्याप्ती
2. पुरातत्वशास्त्र: इतिहास

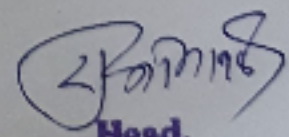
प्रकरण २ : पुरातत्वशास्त्राचा इतिहास

1. पार्श्वभूमी: प्राचीन पुरातत्वशास्त्रापासून ते आधुनिक पुरातत्वशास्त्रापर्यंत
2. क्षेत्र तंत्रज्ञानाचा विकास(Development of field techniques); वैज्ञानिक शिस्त म्हणून पुरातत्वशास्त्राचा विकास
3. औपनिवेशिक भारतातील पुरातत्वशास्त्राचा इतिहास: 18 व्या शतकापासून ते 1947 पर्यंत
4. स्वतंत्र भारतातील पुरातत्व: संस्था आणि व्यक्ती यांचे योगदान

प्रकरण ३ : माहिती पुनरप्राप्ती पद्धती:

अन्वेषण पद्धती:- नकाशा आणि उपग्रह प्रतिमा अभ्यास, गाव ते गाव सर्वेक्षण, भौगोलिक पद्धती, नमूना पद्धती, छायाचित्रण, भौगोलिक माहिती प्रणाली.

प्रकरण ४ : मूल्यमापन



Head,
Department of History
Dr. Patangrao Kadam Mahavidyalaya,
Ramanandnagar (Burla)